February 16, 2026

National Stock Exchange of India Limited
Exchange Plaza, C-1, G Block,
Bandra-Kurla Complex,
Bandra (East), Mumbai – 400 051
Symbol: AVG

BSE Limited
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street,
Mumbai - 400 001
Scrip Code: 543910

Subject: Copy of Newspaper Publication for Un-audited Financial Results for the Quarter ended December 31, 2025

Ref: Regulation 47 of SEBI (LODR) Regulation, 2015

Dear Sir/Madam,

Pursuant to Regulation 47 of SEBI (LODR) Regulations, 2015, we enclose herewith Newspaper publication in Business Line- English and Haribhumi- Hindi for Un-audited financial results for the quarter ended December 31, 2025.

Kindly take the same in your records.

For AVG Logistics Limited

AVG Logistics Limited Delhi

Sanjay Gupta
Managing Director
DIN: 00527801

Regd. Office:
25, DDA Market, Savita Vihar,
Delhi-110092
Ph.: 8527494071

AVG LOGISTICS LIMITED
CIN No.: L60200DL2010PLC198327
E-mail: info@avglogistics.com
Website: avglogistics.com

Corporate Office: 102, Ist Floor,
Jhilmil Metro Station Complex,
Delhi-110095 Ph.: 8527291062
+91-11-22124356

केला उत्पादकों के लिए स्थापित होगी वैल्यू एडिशन, भंडारण एवं प्रसंस्करण इकाई

बुरहानपुर में बनेगा मिनी एयरपोर्ट, शाहपुर को बनाएंगे नगर पालिका, बुरहानपुर में लगाए जाएंगे नए उद्योग-धंधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र का चहुंमुखी विकास ही सरकार का एकमात्र लक्ष्य है। आत्मनिर्भर और विकसित मप्र के निर्माण में हर नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। सबको साथ और विश्वास में लेकर हम ऐसे नए मप्र का निर्माण करेंगे, जहां विकास केवल अवसर नहीं, यहां के हरेक नागरिक का अधिकार होगा। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य विभागों की 2 वर्ष की उपलब्धियों और भावी विकास योजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को बुरहानपुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सिंगल क्लिक से 696 करोड़ 37 लाख रुपए लागत के 80 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कर बुरहानपुर जिले के समग्र विकास को नई गति दी। उन्होंने कहा कि आज जिन कार्यों की सौगातें मिली हैं, वे जिले को आधुनिक, विकसित और आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर में नर्मदेश्वर अखंड शिवलिंग की पूजा-अर्चना की।

बुरहानपुर में होगी एग्रीकल्चर बेस्ड रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, वारकरी समुदाय का कीर्तन केंद्र भी बनाया जाएगा

खास बातें

- बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों को होगा बकाया राशि का भुगतान
- बुरहानपुर जिले को मिली 696.37 करोड़ रुपए के 80 विकास कार्यों की बड़ी सौगात


प्रदर्शनी का अवलोकन करते सीएम।

हमारा प्रण, विकास का प्रकाश पहुंचे प्रदेश के हर कोने-कोने तक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विकास का प्रकाश प्रदेश के हर कोने, हर गली-मोहल्ले तक पहुंचे, इसी मूल संकल्प के साथ हमारी सरकार सबको साथ और विश्वास में लेकर आगे बढ़ रही है। सरकार अधोसंरचनात्मक और जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता देकर प्रदेश के विकास की गति में निरंतर तेजी ला रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुरहानपुर का विकास हमारी प्राथमिकता में है। हमने इस जिले को विकसित और समृद्ध बनाने का संकल्प लिया है, जिले की जनता की भागीदारी से हम इसे सिद्ध करेंगे, आने वाला समय इसका साक्षी बनेगा।

मुख्यमंत्री ने की अनेकों प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर में मिनी एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की। उन्होंने बुरहानपुर में केला उत्पादक किसानों के हित में वैल्यू एडिशन, भंडारण एवं प्रसंस्करण के लिए इकाई स्थापित करने, बुरहानपुर में कृषि आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में नगर परिषद शाहपुर को परीक्षण उपरांत नगर पालिका का दर्जा दिया जाएगा। बुरहानपुर में वारकरी समुदाय का कीर्तन केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हॉर्टिकल्चर कॉलेज अब प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में पढ़ाया जाएगा।

बुरहानपुर का नाम ब्रह्मपुर किया जाए

विधायक बुरहानपुर एवं पूर्व मंत्री अर्चना चिटनिस ने कहा कि बुरहानपुर ऐसा स्थान है, जिसके 335 किमी के दायरे में कुल 12 में से 6 ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं। बुरहानपुर जिले के समग्र विकास के लिए कैबिनेट में 1673 करोड़ रुपए की सिंचाई परियोजना स्वीकृत की है। बुरहानपुर को ताप्ती वाटर ग्रिड वॉटर मेगा रीचार्ज परियोजना की सौगात मिल रही है। अमृत 2.0 योजना में ताप्ती नदी को स्वच्छ बनाने 19 कार्यों के प्रथम कार्यों का भूमि-पूजन भी हुआ। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर प्राचीन काल का ब्रह्मपुर है।

'बुनकरों का शहर' है बुरहानपुर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि से लेकर कपड़ा निर्माण तक, दवा से लेकर फर्नीचर उद्योग तक, खाद्य निर्माण से लेकर कृषि उपकरण निर्माण तक बुरहानपुर का जवाब नहीं। यह जिला पावरलूम उद्योग का प्रमुख केन्द्र है और कपड़ा उत्पादन के कारण बुनकरों के शहर के रूप में बुरहानपुर के नाम से विख्यात है। यहां का केला उत्पादन, फसल विविधता और परिश्रमी किसान, यहां हमारे कृषक कल्याण वर्ष की अलग ही ताकत हैं।

केरल के निकाय जनप्रतिनिधि पहुंचे भोपाल, मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष से किया संवाद

राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश की सेवा में जुटे हैं भाजपा के कार्यकर्ताः डॉ. मोहन यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के 'भाजपा फॉर विकसित केरलम' कार्यक्रम के तहत केरल के निकायों के जनप्रतिनिधि दो दिवसीय प्रवास पर शनिवार को सुबह भोपाल और ग्वालियर पहुंचे। भोपाल और ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। भोपाल पहुंचे 11 सदस्यीय जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केरल निकाय चुनाव में भाजपा व एनडीए की सफलता जनविश्वास का सशक्त प्रमाण है। पार्टी कार्यकर्ताओं के संघर्षों से आने वाले समय में केरल में भाजपा व एनडीए का परचम लहराएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश की सेवा में जुटे हैं। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश सरकार की योजनाओं व नवाचारों से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया। जनता की सेवा और अपने क्षेत्र के विकास को कैसे अंजाम तक पहुंचाया जाता है, इस संबंध में भी संवाद किया। इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य उपस्थित रहे।

खास बातें

- 11 सदस्यीय जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से की मुलाकात
- भोपाल और ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत


सीएम ने की केरल से आए प्रतिनिधियों से मुलाकात।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे, कहाः कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ा

केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों ने भोपाल में भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों से संवाद किया। पार्टी संगठन की कार्यप्रणाली जानी। इसके साथ जनप्रतिनिधियों ने कार्यालय का भ्रमण कर संगठन के कार्यों को समझा। जनप्रतिनिधियों ने मीडिया से चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से मध्यप्रदेश प्रवास पर आए हैं। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि केरल के निकाय चुनावों में मिली सफलता से कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ा है।

आज विभिन्न स्थलों का करेंगे अवलोकन

केरल के निकायों के जनप्रतिनिधिगण भोपाल में 15 फरवरी को सुबह 9:45 बजे लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट एवं संवाद करेंगे। इसके बाद सुबह 11:00 बजे एयरपोर्ट रोड स्थित महावीर गिरी पर्यटन स्थल का भ्रमण सहित अन्य स्थानों का भ्रमण करेंगे। वहीं ग्वालियर में सुबह 9:30 बजे शिंदे की छावनी स्थित पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के निवास पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन करेंगे।

कुशाभाऊ ठाकरे और राजगोपाल के विचारों व कार्यों से सीखना चाहिए: नरेन्द्र सिंह तोमर

ग्वालियर पहुंचे जनप्रतिनिधियों के 13 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात कर संवाद किया। नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि केरल में जनसंघ के समय से विचार के लिए हमारी पार्टी के कार्यकर्ता संघर्ष कर रहे हैं। आने वाले चुनावों में भाजपा की विजय सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि भाजपा का बहुत लंबा इतिहास है। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के पितृ पुरुष श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे और ओ राजगोपाल के विचारों व कार्यों से सीखना चाहिए।

कर्मचारियों ने नारे लगाकर, प्रदर्शन करके किया विनिवेश नीति का विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बीएचईएल में पांच शासकीय हिस्सेदारी के विनिवेश के विरोध में हेवू भारतीय मजदूर संघ, बीएचईएल द्वारा चरणबद्ध आंदोलन के द्वितीय चरण में शनिवार को बीएचईएल के फाउंड्री गेट पांच क्रांति स्थल पर विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान बीएचईएल बचाओ, देश बचाओ एवं सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण के विरुद्ध नारों के साथ सरकार की विनिवेश नीति का विरोध किया। प्रदर्शन संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष संजय चौधरी एवं महामंत्री कमलेश नागपुरे ने बताया कि प्रदर्शन में हेवू भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सरकार की विनिवेश नीति के प्रति अपना तीव्र विरोध दर्ज कराया। विनिवेश के विरोध के प्रथम चरण में भेल महासंघ-भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर भारतीय मजदूर संघ द्वारा बीएचईएल की विभिन्न इकाइयों से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र प्रेषित कर प्रस्तावित पांच प्रतिशत विनिवेश (ओएफएस) के निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की गई थी। 14 फरवरी शनिवार को देशभर की बीएचईएल इकाइयों में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिसके अंतर्गत बीएचईएल भोपाल में भी यह विरोध प्रदर्शन हुआ।

केरल के पार्षदों ने शहर की सफाई व्यवस्था देखी, कंट्रोल एंड कमांड सेंटर और रिमेडिएशन साइट का लिया जायजा

भोपाल। केरल नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के एक दल ने शनिवार को भोपाल नगर निगम द्वारा स्वच्छता की गतिविधियों व स्वच्छता के नवाचारों, सीवेज नेटवर्किंग, जलापूर्ति, झीलों के संरक्षण, सौन्दर्यीकरण सहित अन्य जनसुविधा एवं विकास कार्यों को देखा और पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से आवलोकन किया। उक्त दल ने सफाई व्यवस्था व नवाचारों की सराहना करते हुए केरल के नगरीय निकायों में भी भोपाल की तर्ज पर स्वच्छता का भोपाल मॉडल व नवाचारों सहित अन्य कार्यों को कार्य योजना में सम्मिलित करने की इच्छा जाहिर की। ''विकसित केरलम'' कार्यक्रम के तहत केरल के विभिन्न नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों का दल पहुंचा है। महापौर मालती राय ने केरल के जनप्रतिनिधियों का शॉल, श्रीफल व पौधे भेंटकर स्वागत व सम्मान किया।


प्रतिनिधिमंडल के साथ महापौर।

केरल के नगरीय निकायों में भोपाल की तर्ज पर स्वच्छता मॉडल लागू करने की इच्छा जताई

महापौर सहित सांसद, परिषद अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि रहे

सांसद की मौजूदगी में भानपुर खंती का किया आवलोकन

केरल के प्रतिनिधि मंडल ने सांसद आलोक शर्मा की मौजूदगी में भानपुर की पुरानी खंती क्षेत्र का भी अवलोकन किया और यहां एकत्र पुराने कचरे के वैज्ञानिक ढंग से किए गए निष्पादन तथा लैंड रिक्लेम तथा हरितिमा विकास के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

कमांड कंट्रोल सेंटर पहुंचा दल, नया मुख्यालय भवन भी देखा

केरल के पार्षदों ने ननि के नवनिर्मित मुख्यालय, स्मार्ट सिटी कार्यालय स्थित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर का भी किया और आईसीसीसी की कार्य पद्धति व वाहनों की सतत रूप से की जा रही मॉनीटरिंग आदि की जानकारी भी प्राप्त की।

विकसित सोहना-तावडू विकास रैली में बोले सीएम नायब सैनी

मेवात की धरती ने साहस, बलिदान और स्वाभिमान की परंपरा को आगे बढ़ाया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

- नूंह-सोहना में 47.36 करोड़ की 16 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अरावली की गोद में बसा तावडू क्षेत्र अपने मेहनती, स्वाभिमानी और संघर्षशील लोगों के लिए पूरे प्रदेश में जाना जाता है। मेवात की धरती ने सदैव साहस, बलिदान और स्वाभिमान की परंपरा को आगे बढ़ाया है। सन 1857 की आजादी की प्रथम लड़ाई से लेकर आजादी मिलने तक के संघर्ष में यहां के लोगों ने जो भूमिका निभाई, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

मुख्यमंत्री रविवार को सोहना विधानसभा के तावडू की अनाज मंडी में विकसित सोहना-तावडू विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान उपस्थित जनसमूह को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की बधाई भी दी और कहा कि यह पावन पर्व है हमें लॉर्ड शिवा के दर्शन करने, उनके जीवन दर्शन से जुड़ने का एक अवसर प्रदान करता है।

रायपुर में गेट परीक्षा में 'मुन्नाभाई' स्टाइल में सेंध, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ हरियाणा के छह आरोपी किए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी के डीडी नगर थाना क्षेत्र में आयोजित गेट परीक्षा के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुन्नाभाई गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी हरियाणा के निवासी बताए जा रहे हैं और वे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की मदद से परीक्षा में नकल करने की कोशिश कर रहे थे। लिस के मुताबिक, फरवरी 2026 में आयोजित हो रही गेट परीक्षा 7, 8, 14 और 15 फरवरी को कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में दो शिफ्ट में आयोजित की जा रही है। परीक्षा का समय सुबह 9:30 से 12:30 बजे तथा दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक निर्धारित है। सूत्रों के अनुसार, डीडी नगर क्षेत्र के एक परीक्षा केंद्र में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर पुलिस और परीक्षा प्रबंधन टीम ने संयुक्त जांच की। जांच के दौरान आरोपियों के पास से विशेष इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद किए गए, जिनकी मदद से वे बाहर बैठे सॉल्वर से संपर्क में थे।

आरोपियों ने क्या बताया

प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी संगठित तरीके से परीक्षा में फर्जी अभ्यर्थियों को बैठाने और डिवाइस के जरिए उत्तर उपलब्ध कराने का काम करते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिए हैं और उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। डीडी नगर थाना पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस गिरोह का संबंध किसी बड़े नेटवर्क से तो नहीं है और क्या अन्य राज्यों में भी इस तरह की वारदात को अंजाम दिया गया है।

SEBI starts review of non-agri derivatives

KEY POINTS. Working group to mull easing of position limits, proposes to mandate one Product Advisory Committee meeting annually

Akshata Gorde
Mumbai

REFORM TALKS. A working group constituted by SEBI on the ease of doing business in the non-agricultural commodity derivatives segment held its first meeting last week on Thursday

The working group constituted by the Securities and Exchange Board of India (SEBI) on ease of doing business in non-agricultural commodity derivatives segment held its first meeting last week, taking up a review of position limits and the frequency of Product Advisory Committee (PAC) meetings at exchanges.

The group includes members from the Commodity & Capital Participants Association of India, exchange and SEBI officials, said persons present at the meeting.

"The existing limits were put back in 2016, and since then the market has grown in volume, pricing and investor interest. Increasing the limits will help deepen the non-agri commodity market further, but many factors need to be considered," one of the persons said.

In December last, Chairman Tuhin Kanta Pandey said SEBI would set up a working group to examine operational and regulatory issues in commodity derivatives and suggest measures to deepen the market and ease compliance requirements.

POSITION LIMITS

The first agenda item is to review and ease position limits, which are caps on the number of contracts that a client or trading member can hold in a commodity derivative.

Currently for any non-agricultural commodity, a client's open position, long and short netted across all contracts in that commodity cannot exceed the numerical position limit specified by SEBI in its table or 5 per cent of the total market-wide open interest (MWOI) in that commodity, whichever is higher.

For trading members and brokers, the open position limit is the higher of 10 times the numerical client position limit or 20 per cent of the market-wide open interest in that commodity.

If the market is deeper and has larger open interest, the 5 per cent of MWOI rule may give a larger limit than the fixed numerical value; for a trading member, 20 per cent of MWOI can similarly be higher than 10 times the client limit.

It may take a few more meetings for the committee to finalise the increase in cap to be recommended to the regulator. Upon further review internally, SEBI may consider changes to the relevant provisions in its commodity derivatives framework through a consultation paper.

PAC MEETS

The second issue concerns the mandated frequency of meetings of the PACs at the exchanges.

Under current SEBI norms, the PACs, which comprise representatives from industry and trade bodies and advise on contract specifications and product-related matters, are required to meet at least twice a year for commodity groups.

At last week's meeting, members discussed a proposal to mandate one PAC meeting annually, while allowing exchanges to convene additional meetings, if required. The idea is to provide flexibility without diluting oversight, said another source.

The deliberations are expected to particularly benefit the Multi Commodity Exchange of India (MCX), which accounts for the bulk of trading in non-agricultural commodity derivatives, such as metals and energy.

The MCX will be making a detailed presentation at the meeting next week to assist discussions on increasing the position limits. Emailed queries sent to SEBI did not elicit a response.

India adds record 52,537 MW power capacity in FY26

GRID STRENGTH. As of January 2026, the total installed power generation capacity stood at 5,20,510.95 MW ISTOCKPHOTO

Our Bureau
New Delhi

India added more than 52,000 megawatt (MW) of power capacity in the first 10 months of the current financial year, an all-time high.

During FY26 (up to January 31, 2026), a record 52,537 MW of generation capacity (from all sources) had been added, the Power Ministry said on Sunday.

RENEWABLE ENERGY

Of this, 39,657 MW was added from renewable energy sources, which includes 34,955 MW of solar and 4,613 MW of wind power. India also added 8,810 MW of thermal power capacity during the same period.

"This marks the highest ever capacity addition in a single year, surpassing the previous record of 34,054 MW achieved during FY25," the Power Ministry added.

Further, this also implies that during FY26 (up to January), there was an addition of more than 11 per cent to the total installed capacity of the country, the Ministry said.

As of January 2026, India's total installed power generation capacity stands at 5,20,510.95 MW, comprising fossil fuel-based capacity (2,48,541.62 MW), non-fossil fuel capacity (2,71,969.33 MW), nuclear (8,780 MW) and renewable energy sources (263,189.33 MW).

During 2025, a total of 48,436 MW renewable energy capacity was added. This includes 37,945 MW of solar power and 6,347 MW of wind power.

There is adequate availability of power in the country. The gap between 'energy supplied' and 'energy requirement' has declined from 0.5 per cent during FY23 to 'nil' during the current year. Similarly, the peak demand not met has declined from 4 per cent during FY23 to almost "nil" during the current year.

India also achieved a landmark in its energy transition journey by reaching 50 per cent of its installed electricity capacity from non-fossil fuel sources in June 2025 — more than five years ahead of the target set under its Nationally Determined Contributions (NDCs) to the Paris Agreement.

Full replacement of Russian crude appears infeasible in near term: Moody's Analytics

Rishi Ranjan Kala
New Delhi

India imports more than 30 per cent of its domestic energy needs from Russia

Moody's Analytics has emphasised that turning away from Russian oil will push up domestic energy prices. However, an immediate halt of the geopolitically-sensitive commodity by New Delhi "appears infeasible" in the near term.

In a commentary on Sunday, the financial intelligence provider pointed out that while the interim trade agreement goes some way to alleviate stress on Indian exports, there are plenty of unknowns.

It also stressed that the lack of details of the interim trade deal means that the US-India relationship is far from repaired.

India has agreed to phase out its imports of Russian crude oil and replace them with US and Venezuelan crude, according to US officials. Indian officials have not confirmed that statement, but major refineries have reduced purchases of Russian crude in recent months, it added.

PRICEY SHIFT

India imports more than 30 per cent of its domestic energy needs from Russia, so a pivot away from Russian crude will be pricey, Moody's Analytics pointed out.

Crude grade differences could force many Indian refineries, optimised for Russian blends, to bear higher processing costs.

Also, the EU's latest price cap of $44.1 per barrel on Russian crude means that Urals crude will remain cheaper than the US or Venezuelan supplies, it added.

"A shift will prompt higher domestic energy costs. That will feed through to domestic fuel prices but also to the fiscal balance, given India's extensive fuel subsidies. While some substitution is possible, full replacement of Russian crude appears infeasible in the near term," it stressed.

FAR FROM REPAIRED

The deal with the US comes as India looks to forge other relationships amid the volatile trade environment. In the wake of the recently signed trade pact with the EU, Modi has been embarking on a tour around Southeast Asia, affirming ties with key countries in the region.

"The US deal appears to plaster over their recent breakdown in relations, but the lack of details means that the US-India relationship is far from repaired," Moody's said.

India's commitments under the agreement appear more significant, it added.

For instance, The White House fact sheet noted that India intends to buy more than '$500 billion of US energy, information and communication technology, coal, and other products'.

"For context, India's Union Budget for the financial year to March 31, 2027, had total expenditure of around $590 billion. The purchase requirement would amount to a significant proportion of fiscal spending, even if spread over years," it explained.

TODAY'S PICK.

Lodha Developers (₹1,073.75): BUY

Akhil Nallamuthu
bl. research bureau

The stock of Lodha Developers saw a decline in price between June last year and mid-January this year. But since then, it has been on a recovery.

It recently formed a morning star candlestick pattern on the weekly chart, indicating a potential bullish reversal in the trend.

In recent days, the stock has also broken out of a trendline resistance, and the price is now above both the 21- and 50-day moving averages.

These factors point to a possible rally in the near term. We expect the stock to hit ₹1,240. So participants can buy

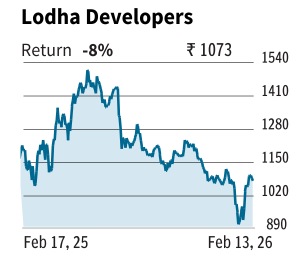

now at ₹1,073 and accumulate at ₹1,055. Place the initial stop-loss at ₹1,015. When the price touches ₹1,150, alter the stop-loss to ₹1,090. Raise the stop-loss further to ₹1,170 when the stock reaches ₹1,200. Exit at ₹1,240.

Note: The recommendations are based on technical analysis. There is a risk of loss in trading.